S-351

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-606

होराशास्त्र एवं फलादेश विवेचन-02

MA Jyotish (MAJY)

4th Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. अरिष्ट योग क्या है एवं इसका विचार कैसे किया जाता है? स्पष्ट करें।

2. पंचांग के पाँच अंग कौन-कौन से हैं, उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

3. बालारिष्ट के सम्बन्ध में उदाहरण सहित वर्णन करें।

4. फलदीपिका, बृहज्जातक एवं जातकभरण ग्रन्थानुसार द्विग्रहादि योगों का फल उदाहरण सहित वर्णन करें।

5. अरिष्ट योगों के निदान को स्पष्ट करें।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. आचार्य महर्षि पाराशर के अनुसार अरिष्ट विचार के ऊपर संक्षिप्त रूप से प्रकाश डालें।

2. भावफल विचार के बारे में स्पष्ट करें।

3. पंचमेश एवं लग्नेश का भाव फल स्पष्ट करें।

4. बृहज्जातक एवं जातकभरण ग्रन्थानुसार द्विग्रहादि योगों का फल उदाहरण सहित वर्णन करें।

5. कारकांश क्या है? संक्षिप्त परिचय दीजिए।

6. ग्रह दृष्टि फल क्या है? संक्षिप्त परिचय दें।

7. आत्मकारक मेष नवांश का फल लिखें।

8. ग्रह एवं अप्रकाश ग्रह में क्या अन्तर है? संक्षिप्त परिचय दीजिए।